अंक 3 कुल पृष्ठ 16 | मूल्य 10 रुपए | वर्ष 2013

कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना। आभार : रश्मि गुप्त-9873345859

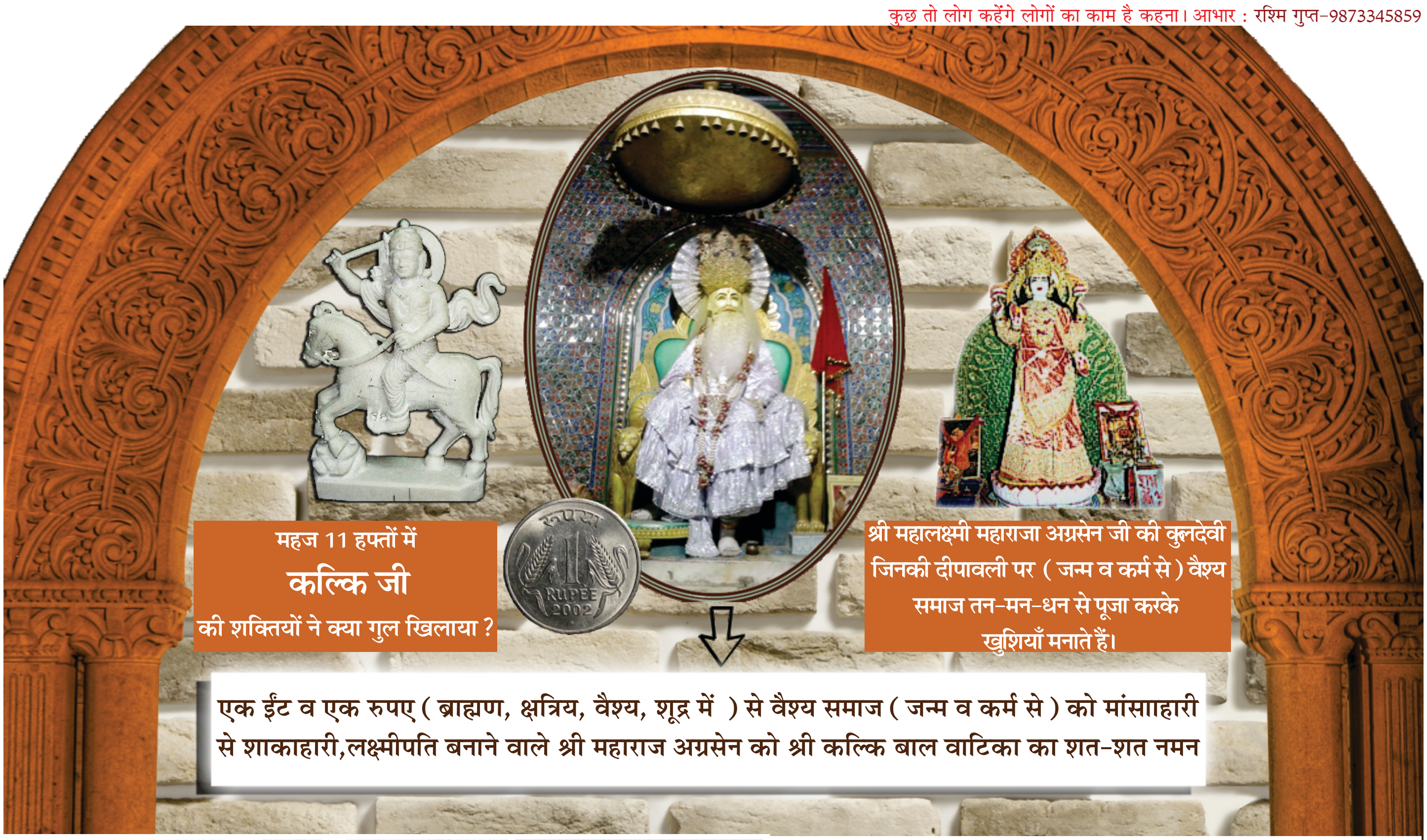

जयपुर में मार्बल की सैम्पल की लगभग 3000 किलो से डेढ़ फुट की मूर्ति से साढ़े पाँच फुट की मूर्ति पर कार्यरत विश्वकर्मा जिसकी अग्रोहा धाम (हिसार, हरियाणा) में 17 जुलाई 2013 बुधवार को प्राण प्रतिष्ठा होगी। भावुक व लकीर के फकीर न बनते हुए 21 जुलाई रविवार 2013 को दिल्ली-सिरसा व अन्य स्थलों से कल्कि समाज मौज-मस्ती आनंद खुशियों के साथ सामूहिक दर्शन करके 11 बजे से 2:30 बजे तक कीर्तन, सत्संग करके प्रसाद भंडारा ग्रहण करेंगे—विस्तार के लिए कृप्या प. पलटें

देश गुलाम क्यों बनता है ? 14

ग्यारहवें महीने में देखें कल्कि म्यूजियम की अदभुत छवि 16

आओ अपनी कार अथवा बसों द्वारा चलें अग्रोहा धाम 3

यह अवतार का मामला है भावुकता में कल्कि समाज को धर्म संकट में न डालें 12

शक्तियों का खेल समझो—गोआ स्वतंत्र भारत का ना होकर कश्मीर की तरह नासूर बना होता 13

आधुनिक युग में शास्त्रोक्त, आध्यात्मिक व सांसारिक सुखों के लिए रामबाण *“इलैक्ट्रिक हवन कुंड”* 4

श्री कल्कि बाल वाटिका कार्यशालाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय	28 जुलाई
पटपड़गंज	21 जुलाई
यमुना विहार	14 जुलाई
पंजाबी बाग	14 जुलाई
गगन विहार	21 जुलाई
महावीर नगर	28 जुलाई
मॉडल बस्ती	7 जुलाई
नोएडा	14 जुलाई

10 जुलाई 2013 को ग्रीन पार्क, दिल्ली में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना

9 जुलाई 2013 ग्रीन पार्क, दिल्ली में को भगवान श्री कल्कि की शोभा यात्रा

स्थान : श्री सनातन धर्म सभा (रजि.) शिव मंदिर, ग्रीन पार्क के ब्लॉक (मेन ग्रीन पार्क मार्केट)

शोभा यात्रा-सायं 5 बजे से 7 बजे

प्रसाद भंडारा अवश्य ग्रहण करके जाएं

मूर्ति स्थापना- प्रातः 11 बजे

श्रंगार, आरती, प्रसाद एवं भंडारा

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (कांग्रेस सांसद-9868181117), श्रीमती सरिता अग्रवाल (धर्मपत्नी-23388299), श्रीमती एकता अग्रवाल (पुत्रवधु-9811524000) के कर कमलों द्वारा भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम संपन्न होगा।

इंदू बंसल-9818416191 राज गोयल-9350992278 सुषमा गोयल-9899698240 श्रीमती प्रकाशवती (धर्मपत्नी स्व. श्याम लाल कपड़े वाले) सुनील गुप्त-9810227711

(वर्किंग डे होने के कारण 14 जुलाई 2013 रविवार को भगवान श्री कल्कि की भजन, सत्संग श्री कल्कि जी की चौंकी का आयोजन शिव मंदिर, ग्रीन पार्क में जहाँ 10 जुलाई को मूर्ति प्रतिष्ठित हुई है,किया जा रहा है। संपूर्ण जानकारी के लिए देखें पृष्ठ-5)

17 जुलाई 2013 को भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना अग्रोहा धाम में

मूर्ति स्थापना- प्रातः 11 बजे श्रंगार, आरती, प्रसाद एवं भंडारा

(वर्किंग डे होने के कारण 21 जुलाई 2013 रविवार को भगवान श्री कल्कि की संकीर्तन, सत्संग चौंकी का आयोजन अग्रोहा धाम में किया जा रहा है। संपूर्ण जानकारी के लिए देखें पृष्ठ-3)

विमल रातुसरिया-0166231312, 09416154544 संजू गड़ौदिया-9312539397 अंकित गड़ौदिया-9310927180

ग्रीन पार्क व अग्रोहा धाम में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति के मुकट, तलवार, व कुंडल लिए आप अपने घर की पुरानी चांदी नीचे लिखे प्रभारियों को भेज/दे सकते हैं

जुलाई 2013 को भगवान श्री की मूर्ति स्थापना सिरसा एवं धर्मपुरा चांदनी चौंक में

दिनांक : 14 जुलाई 2013

स्थान : शिव मंदिर,2330 धर्मपुरा

छिपीवाड़ा के सामने दिल्ली-6

शोभा यात्रा : प्रातः 9:30 बजे से 10:30 बजे तक

मूर्ति स्थापना : प्रातः 11:15 बजे

श्रंगार, आरती, प्रसाद एवं श्री कल्कि जी का भोग

कृप्या प्रसाद अवश्य ग्रहण करके जाएं

रचित अग्रवाल-9910000087 निधि अग्रवाल-9810000087

मामाजी-9136377829

दिनांक : 10 जुलाई 2013

स्थान : श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर

गंगोरी वाला नोहरिया बाजार

सिरसा-125055

मूर्ति स्थापना : प्रातः 11:15 बजे

श्रंगार, आरती, प्रसाद एवं भंडारा

विमल रातुसरिया-0166231312, 09416154544

संजू गड़ौदिया-9312539397

14 जुलाई व 21 जुलाई को प्रोजेक्टर पर देखें

प्रचार प्रभारी- श्री राकेश अग्रवाल-9810654193 हर्षित बंसल-9999885277

बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया का सिर्फ एक ही सहारा भगवान श्री कल्कि

भगवान विष्णु के मन्दिर निर्माण अथवा प्राण प्रतिष्ठा में जो भी सहयोग देता है उसकी सात पीढ़ियों को कालान्तर में मोक्ष की प्राप्ति होती है —अग्नि पुराण

- आप अपना सहयोग उपरोक्त सत्कार्यों में किसी एक मद में पूरा या हिस्से में देना चाहे तो आपके नाम से अथवा गुप्त सहर्ष स्वीकार कर के उसी मद में लगाया जाएगा
- आपकी उपस्थिति हमारे लिए आपके सहयोग से भी ज्यादा अमूल्य है
- आप अपना बहुमूल्य सहयोग नीचे लिखे किसी भी मूर्ति स्थापना प्रभारी को भेज/फोन पर बता सकते हैं

श्री योगेश गुप्ता	*सुश्री इंदू बंसल*	*श्री मनोज पांडे*	*सुश्री अलका गोयल*	*सुश्री मेघना गोयल*
9310833445	*32448401*	*9212703815*	*9811281271*	*9136377829*

आओ अपनी कार अथवा बसों द्वारा चलें अग्रोहा धाम

भगवान श्री कल्कि की नव प्रतिष्ठित मूर्ति एवं भव्य झांकी के सामूहिक दर्शन के उपरान्त

विशाल सत्संग-संकीर्तन एवं भगवान श्री कल्कि की चौकी

दिनांक : 21 जुलाई 2013 स्थान : अग्रोहा धाम (हिसार हरियाणा)

समय : प्रातः 11 बजे से 2:30 बजे

प्रिय कल्कि भक्तों,

17 जुलाई 2013 बुधवार को हम वैश्य (बनिए- जन्म से अथवा कर्म से काम को बनाने वाले) अग्रवालों की पैतृक भूमि अग्रोहा धाम में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। उसके उपलक्ष्य में 21 जुलाई 2013 को समस्त कल्कि समाज सामूहिक भगवान श्री कल्कि के दर्शन, उनकी झांकी का आनंद लेकर सत्संग, संकीर्तन और भगवान श्री कल्कि की चौकी, आरती के उपरांत प्रसाद भंडारा ग्रहण करेंगे। इसके लिए 21 जुलाई 2013 रविवार को दिल्ली से ए.सी व नॉन ए.सी बस चलाई जा रही हैं—

प्रस्थान—सुबह 6 बजे बस हमदर्द से चलकर राजनिवास मार्ग होकर पीरागढ़ी चौक से होते हुए अग्रोहा पहुंचेगी।

आगमन—सायं 7 बजे किराया—ए.सी. बस : 300 रू प्रति सवारी, नॉन ए.सी. बस : 150 रू प्रति सवारी

** अपनी कार से आने वालों के लिए कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं होगा। * बस व गाड़ी में आने वालों का पहले की तरह पानी व नाश्ता अपना होगा।* इच्छुक भक्तजन अपनी सीटों के नाम तथा रुपए देकर रजिस्ट्रेशन 15 जुलाई 2013 तक नीचे लिखे फोन नं पर करवा सकते हैं–मनोज पांडे—9212703815 संजू गड़ौदिया—9312539397 अलका गोयल—9811281271 अंकित गड़ौदिया—9310917180

27 एकड़ में बना अग्रोहा धाम अपने में अनंत विशेषताएं संजोए हैं

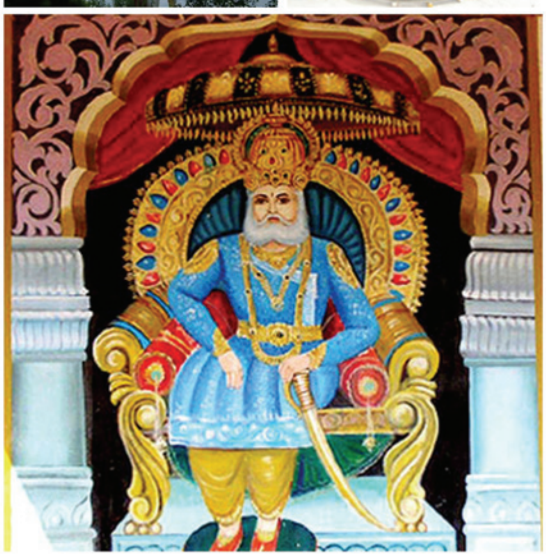

अग्रोहा धाम दिल्ली से लगभग 190 कि.मी. और हिसार से लगभग 30 कि.मी. दूर 27 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहाँ माँ वैष्णो की गुफा, कोतवाल भैरों बाबा, तिरूपति बालाजी का भव्य मंदिर, बांके बिहारी जी का विशाल मंदिर, अप्पू घर, गंगा अवतरण विशाल शिव परिवार के साथ, हमारे गुरु हनुमान जी की विशालकाय प्रतिमा, माँ लक्ष्मी एवं माँ सरस्वती सहित अन्य दर्शनीय स्थलों के बीच महाराजा अग्रसेन ने इस विशाल धाम में अपने ही सामने और अपनी कुल देवी महालक्ष्मी (जिनका वैश्य समाज जन्म व कर्म से दीपावली पर तन-मन-धन से पूजन करते हैं) ने अपने बीच में 17 जुलाई, बुधवार को चमत्कारी महाविष्णु के अंतिम अवतार भगवान श्री कल्कि को बुलाया है।

आधुनिक युग में शास्त्रोक्त, आध्यात्मिक व सांसारिक सुखों के लिए रामबाण

इलैक्ट्रिक हवन कुंड

वर्तमान समय में भागदौड़ भरी जिंदगी में नियमित हवन करने हेतु प्रस्तुत है यह इलैक्ट्रिक हवन कुंड। वेदों और पुराणों के आधार पर बने इस उपकरण में तीन वेदियाँ हैं जो ईश्वर के ब्रह्मा, विष्णु महेश स्वरूपों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसकी सतह का निर्माण मूर्ति बनाने वाली नर्मदा की मिट्टी से किया गया है। इसे घर, ऑफिस, दुकान या कहीं भी उपयोग में लाया जा सकता है। केवल स्वीच ऑन कीजिए और प्लेट गरम होने पर हवन सामग्री को मंत्रोच्चारण के साथ डालना शुरू कीजिए।

परमात्मा के पास संदेश
भेजने का यंत्र
मात्र 550 रुपए

ध्यान रखने योग्य:-

1. हवन कुंड सावधानी से प्रयोग करें जिससे इसकी सतह चटके नहीं।
2. उपयोग की जाने वाली हवन सामग्री को बारीक करने से खुशबू महसूस करेंगे और वातावरण सुगंधित होगा।
3. इस सात्विक हवन कुंड का दुरूपयोग न करें।
4. थोड़ी थोड़ी मात्रा में हवन सामग्री का प्रयोग करें। इससे वातावरण पवित्र व सुगंधित होगा।
5. हवन कुंड को घिसकर साफ न करें।
6. हवन कुंड को पानी के संपर्क में न लाएं इससे करंट लग सकता है।
7. 30 मिनट तक लगातार हवन करने के बाद 10 मिनट का अल्प विराम अवश्य दें जिससे हवन कुंड ठंडा हो सके।
8. हवन सामग्री में ही थोड़ी मात्रा में घी * मिला लें। घी अलग से या ऊपर से न डालें।
9. हवन कुंड की प्लेट अग्नि की तरह कार्य करती है, हवन करते समय अपने मंदिर में अथवा ध्यान में जोत जगा कर अग्नि देव, व वायु देव का आवाहन करें।
10. यज्ञ के देवताओं की शुरू की 7 आहुतियाँ देने के लिए हर आहूति के बाद जल की एक कटोरी पास में रखकर उंगली को छुआ सकते हैं।

अद्भुत फायदे:- नवग्रह शांति, नजर दोष से सुरक्षा, कामना पूर्ति में सहायक, तनाव निरोधक, प्रदूषण रहित, सुगंधित वातावरण, अन्त:करण की शुद्धि में अनंत सहायक।

निर्देश पुस्तिका अवश्य पढ़े, इसमें आपकी अन्य परेशानियों के भी जवाब हैं।

हवन— भगवान से सीधा संपर्क करने का सरल साधन है

—प्रेरणा स्तोत्र : मामाजी लेखक -डॉ. वेद प्रकाश गुप्त

मामाजी से मुक्तेश्वर में जिज्ञासावश पूछा कि हवन के क्या फायदे होते हैं और इनको कब तक करते रहना चाहिए!

जैसा मुझे समझ आया जो हवन हमनें संकल्प लेकर करने के लिये करे हैं उनको तो अवश्य पूरा करें। जिस भी परेशानी के लिये कर रहे हैं उससे छुटकारा मिलेगा।

जिस प्रकार प्राचीनकाल से हमारे ऋषि मुनि यज्ञ करते आ रहे हैं, उससे पूरे ब्रह्माण्ड का शुद्धिकरण होता है। यज्ञ के माध्यम से सब देवी देवताओं को उनका भोज्य (भोजन) मिलता है। मंत्रों के उच्चारण से यज्ञ करने वालों के लोक परलोक के वातावरण गुंजित होते है। अंततोगत्वा इससे आसुरी शक्तियाँ हटती हैं व दैवी शक्तियाँ जागृत होती हैं।

यह हवन प्रतिदिन सरलता से किया जा सकता है। इसे आप अपनी नित्य पूजा का हिस्सा बना लें। इससे घर में सुख, शांति व शुद्धिकरण होता रहेगा। आने वाली पीढ़ी में संस्कार रोपण होंगे।

श्रीमद् भगवद् गीता के अध्याय 3, श्लोक 14-15 में श्री कृष्ण उपदेश: जीवन चक्र श्री कृष्ण अर्जुन से ''हर प्राणी अन्न से पैदा होता है, प्रथम अन्न पेट में जाकर वीर्य रक्त की वृद्धि कर प्राणियों को पैदा करता है।

अत: अन्न मेघ से, मेघ यज्ञ से, यज्ञ कर्म से, कर्म वेद से, वेद ब्रह्मा से उत्पन्न होते हैं।

क्या आप भी निरंतर बढ़ रहे राजा रानी जैसा जीवन जीना चाहते हैं?

गुरु जी के शब्दों में— चले तो चींटी भी हजारों मील चली जाए, नहीं चले तो गरूड़ भी वहीं खड़ा रहे साहस से काम लें, अपने बराबर या जान पहचान की जगह जहाँ काफी सनातनधर्मी पूजा करने आते हैं वहाँ आपको वहाँ के मैनेजमेंट को संतुष्ट करके भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति लगाने की इजाजत लेवें फिर श्री कल्कि विष्णु मंदिर , 815 चौक कुण्डेवालान में संगमरमर की बनी मूर्तियों में से कोई भी कल्कि जी की-पदमाजी-रमाजी-श्री हनुमान जी-श्री दुर्गा जी-माँ वैष्णवी की पसंद करके यह शुभ कार्य शीघ्र पूरा करने का संकल्प लेवें। हमारी कोई मदद की आवश्यकता हो तो बताएं हम तैयार हैं।

सुश्री अलका गोयल-9811281271 श्री राहुल अग्रवाल-9891879718

अब काजला धाम, चुलकाना धाम एवं दक्षिणेश्वर आद्यापीठ,कोलकाता में भगवान श्री कल्कि शीघ्र विराजेंगे

10 जुलाई को भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में 14 जुलाई रविवार 2013 को विशाल सत्संग-संकीर्तन भगवान श्री कल्कि जी की चौकी

दिनांक : 14 जुलाई 2013

समय : दोपहर 3 बजे से सायं 8 बजे

स्थान : शिव मंदिर ग्रीन पार्क के ब्लॉक (मेन ग्रीन पार्क मार्केट) डियर पार्क के पास

कार्यक्रम के पश्चात् प्रसाद एवं भंडारा अवश्य ग्रहण करके जाएं।

कैसे पहुंचे : ग्रीन पार्क मैट्रो स्टेशन के गेट नं. 3 के बाहर से 25 रुपए में ऑटो करके मंदिर पहुंच सकते हैं।

लैंड मार्क : पी. पी. ज्वैलर्स, सरताज होटल के बीच वाली गली में

ग्रीन पार्क में संकीर्तन के बाद कीर्तन स्थल से ग्रीन पार्क मैट्रो स्टेशन तक आने के लिए कार की व्यवस्था के लिए संपर्क करें :

सुश्री सुरभि-राकेश अग्रवाल : 9810654193 सुश्री सुषमा-राकेश गोयल : 9899698240 सुश्री रेनू-कमल बंसल : 9818000004

सुश्री अलका गोयल : 9811281271 अंकुर गोयल : 9818522778

दिल्ली में पहली बार कल्कि जी के साथ पदमा जी रमा जी विराजी

श्री महाशक्ति दुर्गा मंदिर, गगन विहार दिल्ली में अब 7 जुलाई 2013 को प्रातः 10:00 बजे रमा जी और पदमा जी भी कल्कि जी के साथ विराज रही हैं। श्री कल्कि समाज से निवेदन है कि इस उत्सव में पधारकर धन व वैभवता के लिए दो महाशक्तियों से आशीर्वाद प्राप्त करें।

संपर्क सूत्र : राजेश गुप्ता 09810238695 अनुज रस्तोगी 9891212606

भगवान श्री कल्कि का 26 वाँ वार्षिकोत्सव

दिनांक : 15 जुलाई 2013, सोमवार

समय : प्रातः 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक

स्थान : योगमाया मंदिर, महरौली, नई दिल्ली-30

निवेदक : श्री रामनाथ गोयल (931296555)

श्री सुभाष चन्द्र शर्मा (9971879583)

विशेष सत्संग-संकीर्तन

भगवान श्री कल्कि का सत्संग-संकीर्तन महोत्सव

दिनांक : 28 जुलाई 2013, रविवार

समय : सायं 4 बजे से 8 बजे तक

स्थान : फ्लैट नं-670, संजय एन्कलेव, जी टी के डिपो के सामने जहाँगीर पुरी मैट्रो स्टेशन के बराबर, दिल्ली-33

निवेदक : कुमारी ममता दुसेजा -9582000117

विशेष सत्संग-संकीर्तन

दिनांक : 18 अगस्त 2013, रविवार

स्थान : 43/1, राजपुर रोड, आई.पी. कॉलेज, ट्रांस्पोर्ट अथॉरटी के आगे, दिल्ली

समय : दोपहर 3 बजे से रात्रि 8 बजे तक

प्रसाद (भोजन) : रात्रि 8 बजे से

प्रेषक : डॉ. वेद प्रकाश गुप्त, मामाजी (9312533445)

श्री कल्कि से शक्ति मिलने पर कहा मानो और बढ़ते चलो

—सुश्री शिवानी गुप्ता (9350667304) लवली पब्लिक स्कूल, ईस्ट दिल्ली

अब मैं यह मानती हूँ यदि कल्कि भगवान स्वप्नानुभव में हमें कोई संकेत दें और उसके अनुसार हम कार्य करें तो **निश्चित रूप से सफलता मिलती है।** पिछले दिनों मेरे साथ यह सत्य घटित हुआ और यह बात मैं कल्कि जी की मासिक पत्रिका के माध्यम से कल्कि समाज को बताना चाहती हूँ।

मुझे रमणी भाभी (जर्मन टीचर गोयनका स्कूल) ने कुछ साल पहले भगवान श्री कल्कि का महामंत्र दिया। मैंने अपनी नियमित पूजा में उनके कहने के अनुसार कल्कि जी का नाम भी जोड़ लिया। दो बार रमणी भाभी ने मुझसे जी.डी. गोयनका स्कूल में टीचर की पोस्ट के बारे में बताया। मुझे लगा कि जैसे कोई शक्ति मेरी सहायता करना चाह रही है ।

ऐसे हैं प्रभु श्री कल्कि

कल्कि जी के भक्तों की आपबीतियों में मैं ऐसे चमत्कारों के बारे में पहले ही पढ़ चुकी थी। मैंने इसी विचार से प्रेरित होकर कि कल्कि भगवान मुझे मेरी प्रगति का संकेत दे रहे हैं। मैंने बी.एड. का फॉर्म भर दिया। इसी बीच पिताजी का देहांत हो गया। पढ़ाई में मन नहीं लगने के बावजूद भगवान श्री कल्कि की मिलने वाली अहैतु की कृपा से प्रेरित मैं बेमन से भी पढ़ाई करती रही।

आप सभी को पढ़कर आश्चर्य होगा कि मैंने बी.एड. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। पढ़ाई के बीच का यह संघर्षमय समय कैसे बीता अब तो याद भी करती हूँ तो मन सिहर उठता है। इस बीच मैं पटपड़गंज की श्री कल्कि बालवाटिका कार्यशाला में हर महीने जाती रही। अब मेरी नौकरी ईस्ट दिल्ली के लवली पब्लिक स्कूल में लग गई है और कल्कि भगवान की कृपा का हाथ सदैव मुझे अपने ऊपर प्रतीत होता है।

मात्र 15 दिन के संकल्प-उपचार से 32 साल से चल रहा मुकदमा जीता

—श्रीमती पूनम जैन (9212216251)

हमारी सोसायटी में रहने वाली मेरी एक सखी ने एक दिन मुझे उनके घर में होने वाली भगवान श्री कल्कि की सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी में आमंत्रित किया। मैं मन में बड़ी आशा और जिज्ञासा लेकर वहाँ गई। उस अनोखे सत्संग में जाकर मुझे बहुत अच्छा लगा। वहाँ बड़ी से बड़ी समस्या के लिए भी ऐसे छोटे-छोटे और सरल उपचार बताए गए जो एक आम इंसान के लिए करना कोई मुश्किल काम नहीं है। साथ ही ऐसे लोगो के मुँह से उनकी आपबीती भी सुनवाई गई जो यह उपचार करके बड़ी बड़ी परेशानियों से निकले।

मुझे वहां से गिफ्ट में कल्कि जी का एक सुंदर सा चित्र और कल्कि चालीसा की एक किताब मिली। मैंने पूरी कल्कि चालीसा को बड़े सच्चे भाव से पढ़ी। उसमें शुरू में लिखे गए संकल्प के अनुसार 15 दिन का कल्कि चालीसा के पाठ का संकल्प इस प्रार्थना के साथ किया कि हे श्री कल्कि भगवान! मेरे पतिदेव का सरकारी केस जो 32 साल से चल रहा है उसका फैसला हमारे पक्ष में करवा दीजिए। **हमें आपके प्राकटय के प्रचार का संपूर्ण कार्य करना है।** इस प्रार्थना के साथ मैंने 15-15 दिन के संकल्प चार बार किए। प्यारे बच्चों, सच में कल्कि भगवान ने मेरी प्रार्थना को स्वीकार करके हमारे 32 साल पुराने मुकदमें का खत्म ही नहीं करवाया बल्कि उसका फैसला भी हमारे पक्ष में करवाया। मैं तब से सबको जब भी कल्कि भगवान के बारे में बताती हूँ और कहती हूँ कि कल्कि चालीसा का पाठ जरूर किया करो और मैं खुद भी कल्कि चालीसा का नियमित पाठ करती हूँ।

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 6 जुलाई 2013 एवं 3 अगस्त 2013
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2
दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)
संचालिका- सुश्री इंदू बंसल (011-32448401)

दिनांक : शनिवार 13 जुलाई 2013 एवं 10 अगस्त 2013
स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट*
पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)
संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (913677829)

महिमा पितृ तर्पण की

—श्री वरूण चौधरी (कोलकाता) 09831089302

संभल में हर माह होने वाले श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ में फरवरी 2013 में मुझे सम्मिलित होने का अवसर मिला। इसमें भगवान शंकर द्वारा स्वप्नानुभव द्वारा आदेशित रूप में मामाजी ने एकत्रित हुए सभी कल्कि समाज (भक्तों) से देवताओं व पितृों का तर्पण करवाया। मुझे भी सौभाग्य से उस समय तर्पण करने का तरीका सीखने का मौका मिला और मैंने इसके महत्व को भी जाना। तब से उनके बताये तरीके से पितृ और देवताओं को स्नान कराने व जल अर्पण करने लगा।

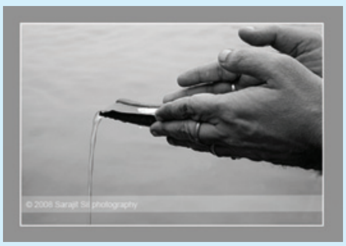

तर्पण सिखाते हुए मामाजी

मैं जिस इलाके में रहता हूँ वहाँ गाय ढूंढना और उन्हें खिलाना एक मिशन है। श्राद्ध के समय पूरे इलाके में 2-4 गाय हैं। उनके आस-पास खाने का ढेर पड़ा रहता है और गाय माता मुँह घुमाए बैठी रहती हैं। इतने सालों से श्राद्ध के समय जब गाय माता को खिलाने जाता था तो मन हर बार दुखी होता, गाय माता खाने को तैयार नहीं होती, बहुत प्रयास करने से थोड़ा खा लेती थी।

इस बार आश्चर्य चकित भी छोटा शब्द है, इस श्राद्ध में गाड़ी से उतरता हूँ। गाय माता इस तरह आती हैं और गौ ग्रास ऐसे खाती हैं मानो मेरा इंतजार कर रही थीं। श्राद्ध के दिन किसी कारण वश मैं सारा दिन गौ ग्रास खिला नहीं पाया, रात के नौ बज चुके थे और मैं इस उधेड़ बुन में था कि जिस इलाके में गाय दिन में मुश्किल से मिलती है रात को कहाँ मिलेगी और दिख भी गई तो क्या खाएगी? मुझे एक गाय बैठी नजर आई उनको मैं पहचानता था वह बड़ी मुश्किल से खाती हैं। गाय माता के आस-पास 14-15 कुत्ते मंडरा रहे थे। मैं सोच रहा था क्या करूं गाय माता खाएंगी या नहीं उनके सामने रख आऊँ तो कुत्ते खा लेंगे? मैं सोचते हुए जब गाड़ी से उतरा खाना देख मुझे कुत्तों ने घेर लिया। तभी गाय माता उठीं चलकर मेरी तरफ आईं और मेरे हाथों से पूरा खाना खा लिया। मैं अचम्भित सा यह सोचने पर मजबूर हो गया कि इनके सामने खाने का ढेर पड़ा है और यह चलकर हमारा गौ ग्रास खाने क्यों आईं।

भाइयों ऐसा लगता है मानो विज्ञान, सोच या समझ **कल्कि जी की दुनिया हर चीज़ से परे है।** यह एक अद्भुत स्मृति है। जिसे जानने वाला हर समय महसूस कर सकता है। हर एक छोटी चीज़ में हमारे कल्कि एक पिता की तरह उंगली पकड़कर हर पल अपने साथ होने का अहसास दिलाते हैं। मेरे मन से तो सिर्फ यही निकलता है

हे मानव तू मुख से बोल कल्कि शरणम् गच्छामि
बालमुकुन्द जी गदा घुमाए करत प्रचार-प्रचार
क्षीर समुद्र वासी श्री कल्कि ने लीन्हा अवतार

कल्कि जी कैसे चेन्नई से कोलकाता लाये

—सुश्री कांता सर्राफ ( )

हे कल्कि भगवान, मैं कांता सर्राफ आपकी बहुत आभारी हूँ कि आपकी ही महान कृपा से मुझे तीन साल पहले उस समय जीवन दान मिला जब मेरी असाध्य बीमारी तीसरे चरण में पहुँच गई थी। डॉक्टर भी आश्चर्यचकित थे कि यह कैसे सम्भव है। ऐसा लग रहा था कि जैसे मेरे कल्कि भगवान ने एक लक्ष्मण रेखा खींच दी हो कि यह बीमारी इससे और आगे नहीं जा सकती हो। कल्कि भगवान की कृपा में 3 साल का समय कैसे बीत गया, पता ही नहीं चला। ये कैसे मेरे कल्कि भगवान का चमत्कार है जो अनहोनी को होनी कर देता है। जो कोई नहीं कर सके वह मेरे कल्कि जी कर सकते हैं। यह गीत मेरे मुँह से निकलता है।

जब 21 मार्च 2013 को पता चला कि मेरे शरीर में फिर से वही असाध्य रोग की समस्या है, तो हम लोगो के तो छक्के-पंजे छूट गये। लगा, किसी अंधे कुंए में मैं गिर गई हूँ। उसी समय कल्कि भगवान ने मेरे देवर रमेश सर्राफ को प्रेरणा दी और उन्होंने मुझे मद्रास छोड़कर कोलकाता वापस आने की सलाह दी। कल्कि भक्तों जो काम 14 साल में सम्भव नहीं हो पाया वह मेरे कल्कि भगवान ने 6 दिन में कर दिखाया और हम लोग 6 दिन में ही सारा समान समेट कर कोलकाता पहुँच गए। मेरे परिवार को लग रहा है कि हम लोगों के पहुँचने के पहले ही कल्कि भगवान कोलकाता के हर व्यक्ति में हमारे लिए प्रवेश कर गए हैं। अब तो कल्कि भगवान से यही प्रार्थना है कि कल्कि भगवान मुझे आरोग्यता दें जिससे मैं अपने पति के साथ मिलकर वैभवतापूर्वक जीते हुए कल्कि भगवान के विशिष्ट कार्य कर सकूँ।

धन्यवाद कल्कि भगवान।

28 जुलाई 2013 को आओ चलें संभल सुप्त तीर्थ जागरण अभियान में

प्रिय साथियों, जैसा कि आपको मालूम है सत्युग की स्थापना के समय विश्वकर्मा जी ने भगवान शंकर की बसाई संभल नगरी में 68 तीर्थ और 19 कूपों की स्थापना की थी लेकिन कलियुग की भीषण आंधी ने कुछ तीर्थों के ऊपरी अस्तित्व को लुप्त (मलिन) कर दिया जबकि बाकी तीर्थ अपना अस्तिव बनाए हुए हैं। अब जुलाई महीने में मणिकर्णिका तीर्थ (मनोकामना) पर ही कल्कि सहस्त्रनाम के यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

28 जुलाई 2013 को— श्वेत माधव तीर्थ व लोलार्क तीर्थ हेतु
25 अगस्त 2013 को मनोकामना तीर्थ पर

मौज-मस्ती में सत्संग

संयुक्त परिवार में श्री कल्कि लीला

—डॉ. वेद प्रकाश गुप्त 23955806

प्यारे साथियों, तकरीबन दो वर्ष पूर्व मैं अपने भाई, भाभी, बहुओं-बच्चों सहित तकरीबन 35 लोगों के साथ जे.पी.रिजोर्ट में तीन दिन के पैकेज पर गया था। वहाँ भाई साहब (मामाजी) ने रिजोर्ट के रूफ गार्डन पर नाश्ते के बाद हमें **कैसे हैं भगवान श्री कल्कि चमत्कारी** इस बारे में सत्संग दिया था। सारांश में कहूँ तू इस सत्संग में सबसे अच्छी बात यह लगी कि कल्कि जी के लिए कुछ रुपया पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं है, उन्हें चाहिए मन और उसका उल्टा नम (झुकना-नमस्कार)। मेरे श्री कल्कि जी का हाथ पकड़े जीवन भर बड़ी बहिनजी की तरह राजा-रानियों की तरह चमत्कारी श्री कल्कि से उनके प्राकटय के प्रचार का संपूर्ण कार्य करते हुए जो चाहो-सो पालो के आधार पर आगे बढ़ते चले जाओ। किसी के भी कहने-सुनने की इसमें जरूरत नहीं है।

साथियों, उस अनूठे मस्ती भरे दैवीय सत्संग का असर यह हुआ कि लगभग 25 वर्ष बाद राजपुर रोड पर 8 अप्रैल 2012 को पहली बार सत्संगमयी अनुभवगम्य श्री कल्कि संकीर्तन हुआ। *(अब 18 अगस्त 2013 को पुन: श्री कल्कि कृपा से होने जा रहा है)* इसमें मैंने पहली बार देखा कि बच्चों ने बड़ों को पुरस्कार वितरण किए।

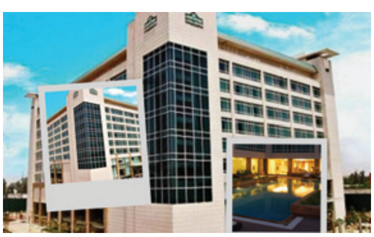

मेरे भतीजे सौरभ गुप्त (9810000264) जो मनु महारानी रिजोर्ट संभालते हैं उनकी संरक्षता में साहिबाबाद में स्थित कंट्री इन रिजोर्ट में परिवार सहित तीन दिन बिताने का कार्यक्रम बना। 14 से 16 जून तक हमारे परिवार के 61 सदस्यों ने यहाँ मौज मस्ती के साथ जो तीन दिन बिताए उसमें हमने महसूस किया कि दूर-दराज घूमने जाने में सामान पैक करना, यात्रा करने से कहीं अच्छा है दिल्ली के आसपास किसी बढ़िया रिजोर्ट में परिवार सहित कुछ दिन बिताना। इस रिजोर्ट में खाना एकदम शाकाहारी था, खाने की तकरीबन 165 वैरायटी थीं।

कंट्री-इन रिजोर्ट साहिबाबाद में मौज मस्ती तो खूब की ही भगवान श्री कल्कि का जमकर सत्संग भी हुआ।

इस बार भी मेरे मन में था कि मौज मस्ती के साथ कल्कि भगवान का सत्संग हो। भाई साहब से बात होने पर उन्होंने मुझे मना भी किया कि **सबकी मौज मस्ती में क्यों खलल डालते हो** लेकिन इस बार मेरे साथ साथ बहुत से सदस्यों की चाहत थी सो प्रस्तुत है मौज मस्ती में सत्संग के क्षणों की कुछ झलकियां इस सत्संग से किसी भी कल्कि भक्त को कल्कि तत्व समझने में सहायता मिले तो मैं खुद को भाग्यशाली समझूंगा—

बहुतों ने झोलियां भरी और भरकर खाली भी करीं—भाई साहब (मामाजी) ने कहा कि साथियों बाहर वालों ने तो मुझसे श्री हनुमान जी उनके शिष्य रामकृष्ण परमहंस के आवेशावतार गुरुवर लक्ष्मीनारायणजी द्वारा बताए श्री कल्कि जी की अदले का बदला की नीति से पिछले 26 वर्षों में मेरे देखते ही देखते बहुतों ने अपनी झोलियां भरी भी और कुछ ने भरकर खाली भी करीं। लेकिन खुशी है आज जब मेरे सगे चमत्कारी कल्कि जी का हाथ पकड़कर आगे आ रहे हैं। आप सभी में वही निष्ठा और ललक है जो मेरी बड़ी बहिनजी में थी।

भगवान श्री कल्कि की प्रतीक्षा सदियों से ब्रह्मांड कर रहा है— आप सब से अनुरोध है कि चमत्कारी श्री कल्कि जी को हल्के में न लें। कोलकाता में एक कल्कि भक्त (श्री राजन चौधरी-09830012386) जो मतंग ऋषि के बारे में नहीं जानते थे। उनकी आंखों के आगे स्क्रीन चल रहा है और उसमें **मतंग ऋषि बोल रहे हैं कि भगवान श्री कल्कि ब्रह्मांड के सर्वश्रेष्ठ अवतार हैं, जिनकी सदियों से ब्रह्मांड प्रतीक्षा कर रहा है।**

भगवान श्री कल्कि

प्रभु श्री कल्कि की संपूर्ण कृपा लेने के लिए उनके द्वारा दिए स्वप्न जागृत वाणी अनुभवों को तुरंत लिख लें। उसके पश्चात् स्वप्नअनुभव एक सम्पदा पुस्तक में से उसका अर्थ समझकर उपचार कर दें इससे आप बुरा होने से तो बचेंगे ही साथ ही आगे

बढ़ने के रास्ते निरंतर खुलते चले जाएंगे।

श्रीराम की सेना में रीछ, वानर थे— आप सभी का वहम है कि मैं कल्कि जी का ज्यादा काम कर रहा हूँ। साथियों 14 वर्ष के बनवास के दौरान समस्त अयोध्यावासी अयोध्या में सांसारिक जीवनयापन करते रहे। श्रीराम ने उन्हें नहीं लिया। उन्हें तो रीछ और वानरों की आवश्यकता भी नहीं थी, लेकिन उनकी भक्ति का फल देने के लिए और उनके पुण्यों का निर्माण करने के लिए उन्हें अपने साथ ले लिया, **आप मुझे भी ऐसा ही समझो।**

श्री कल्कि का काम करने से कलियुग कटेगा और कल्कि जी प्रगट होंगे— कृष्णा अवतार में भगवान श्री कृष्ण को भी पाँचों पांडवों की आवश्यकता नहीं थी। जो भक्त नारायण से अनन्य प्रेम करता है और उनकी भक्ति करता है प्रभु उन्हीं भक्तों को अपनी लीला का हिस्सा बना कर उनके पुण्यों का उदय करते हैं। महाभारत युद्ध के पश्चात श्री कृष्ण के श्याम बाबा से यह पूछने पर कि उन्होंने 18 दिनों में क्या देखा? श्याम बाबा ने जवाब दिया कि श्री कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलते देखा और द्रौपदी रूपी काली को अपना खप्पर भरते हुए देखा।

अपनी नन्हीं उंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाए भगवान कृष्ण

जरा सोचिए—अर्जुन और उसका धनुष बाण अगर वास्तव में अजेय होते तो अर्जुन के पास गाण्डीव होते हुए भी भीलों ने जंगल में गोपियों को कैसे लूट लिया?

इसी तरह कन्हैया ने गोवर्धन पर्वत को अपनी नन्हीं ऊंगली पर उठाकर इन्द्र का घमंड चूर किया-साथ ही अपने सखाओं की लकड़ियों का सहारा लेकर उन्हें भाग्यशाली से महाभाग्यशाली बना दिया। बस आज कलियुग में कान्हा के सखाओं की तरह हमें भी लकड़ी लगाने का सौभाग्य मिला है तो क्यों हम इस अवसर को बेकार जाने दें? भार तो उतरेगा ही हम भी इस युग में कुछ ऐसा कार्य कर जाएं कि श्री कल्कि नारायण चारों युगों में हमें अपने साथ रखें।

आभार के गुलदस्ते भरते रहें—

कल्कि जी से जुड़ने पर उनकी भक्ति करने पर हमें कलियुग द्वारा प्रदान परेशानियों से निकलने के रास्ते कल्कि जी द्वारा प्रदान स्वप्नानुभवों से मिलते हैं। इन परेशानियों से निकलने पर एवं जो-जो वैभवता कल्कि जी ने आपको दीं उसे लिख लें और याद रखें। सुबह से ही एक-एक को याद करके इन गुलदस्तों में भरते रहो। जैसे हे कल्कि जी आपने मुझे रहने को अच्छा मकान दिया है, मैं आपका आभारी हूँ। व्यवसाय-परिवार-वैभवता आदि आदि। भगवान श्री कल्कि का आभार उनके प्राकटय के प्रचार के कार्य के लिए आपका बहुत सहायक बनेगा। आप यह भाव बनाए और महसूस करें जैसे आपकी कमर पर आभार रूपी गुलदस्ते बंधे हुए हैं उन्हें निरंतर कल्कि जी, दुर्गा जी, हनुमान जी, श्याम बाबा और जो भी आपके आराध्य देव हों उनका आभार प्रगट करके भरते रहें। रात को सोने से पहले उन्हें खाली कर दें अर्थात् फल समर्पण कर दें और अगले दिन सुबह से फिर इन गुलदस्तों को भरना शुरू कर दें, आपको अच्छा मिलेगा ही मिलेगा।

आभार के गुलदस्ते भरते रहें

कलियुगी शक्तियों से जीतने का सरल उपाय— विश्वास व आभार को जीवन में अपना लेने से आपके अंदर से यह चार दोष स्वत: ही खत्म होने लगेंगे—इर्ष्या, क्रोध, अहंकार, उदासीनता। इन चार दोषों को जीतते ही कलियुगी शक्तियां आपका कुछ भी बिगाड़ नहीं पाएंगी और आप हमेशा जीतेंगे ही जीतेंगे।

श्री कल्कि अनुभव पैनल के नए विशेषज्ञ— आज मैं आपके साथ अपने और भी साथियों को भी एक रहस्यमयी भेंट देने जा रहा हूँ। अब आप विभिन्न परेशानियों में उनसे जुड़े अनुभव मेरे नए सहयोगियों से पूछकर विजय पथ पर बढ़ते चलें

व्यवसाय की परेशानियों के लिए—
श्री सुभाष गुप्त-09810300045 श्री विनय गुप्त-9810000442

बीमारी में फंसने पर—डॉ. वेद प्रकाश-9810000086

कल्कि जी का भूला वायदा पूरा करने पर कैसे रास्ते खुलते हैं—
अर्चित गुप्त-9810000046

प्लॉट खरीदने बेचने की समस्या निवारण हेतु—
श्री अजय गुप्त-9810000015

ऊँचे डिपार्टमेंट में फंसने पर—श्री दीपक गुप्त

रिश्तेदारों के पास माल फंसने पर—सुश्री मीनाक्षी गुप्त

जल्दी शादी के लिए—सुश्री नलिनी गुप्त

कल्कि जी को मानकर क्या मिला—श्रीमती रीता गुप्त

घर में सब कुछ होते हुए भी मन उखड़ा रहने पर—
सुश्री रश्मि गुप्त 9711108050

गृहस्थ की परेशानियों के लिए— सुश्री रेनू बंसल

कल्कि जी का चमत्कार देखने के लिए—
सुश्री पूजा गुप्त-सुश्री साक्षी गुप्त

टैक्स डिपार्टमेंट के लिए— श्री पीयूष गुप्त-श्री अमित गुप्त (9810003910) -श्री विपुल

कल्कि जी पर विश्वास के लिए— श्री योगेश गुप्त (9311033445)

शक्तियों से खेल खेलना सीखने के लिए— मामाजी-9136377829

Kalki ji wishes that throughout your life you stay as King and queen otherwise atleast remain Kalki ji's soldier

Swpnanubhav seen by-Kumar Rohit Gupta, compiled and edited by- O.P Gupta, English Translation by- Jyoti-Archit Gupta

Swapna Anubhav dated 04-05-2013-

Do you go to the temple everyday?

When I was coming back from the temple after darshan,I saw a gentleman(Narayan)coming from far.Looking at him I felt as if I knew him from before.I smiled and looked at him,but when he came close to me I realized that he was not the same person I thought to be because of which I had smiled at him.Still he came closer to me.Before I could understand anything,he immediately asked me a question-And how are you,did you do your puja?I said yes.He asked me,do you come to the temple everyday?

Being a part of Kalki society

I said,we believe in Kalki bhagvan ji and worship only him.Then he immediately said,ok..so you are from Kalki society.i said,I don't know about the society but yes,we believe in Kalki ji and worship him.

Do you know what is Raj Durbar?

1.The gentleman asked have you ever seen a Raj durbar?

1. I said,not in reality but I have seen it in films

2.He(Narayana) said that imagine what you have seen.Imagine that there is a high throne of a prince in front of you.Then there are thrones of Kings,Queens and their wives's thrones on their left and right.If you look at the other side,you will see Rajguru brahman present.If you look below,then on your right hand there is the chief minister,minister,head of army and towards the front common people are standing along with the soldiers and guards.The way all the members of Raj durbar are doing their work above,similarly those powers are doing their work here on earth. Then I said that I'm not able to understand what you are saying.

Then he(Narayan)said that tell me,how many children are born on this earth in one day?

I said that I don't know about the whole day but I have heard that every minute a child is born.Then he(Narayan) asked with full confidence that do all of them get linked to kalki society or are they born in kalki society itself?I was speechless and kept looking at him and didn't know what to say. Then he(Narayan)said that these powers are being sent to earth or are transferred and the way they are doing their work above,the same way there is a raj durbar on this earth also.Then I asked him how?

He(Narayan)said that just the way when any V.I.P. goes to any place,so many policemen gather there for his security.No thief or criminal is to be seen around.In the same way,if the power of any holy place is to be increased,then it gets surrounded by devotees of Kalki ji.Kalki devotees perform havan,satsang,hindu rituals and ceremonies ,murthi sthapna and increase the power of that place.Narayan Shri Kalki comes there but no one is able to see him.Narayana Shri Kalki comes there and establishes the powers there and as a result all the evil forces start going away from that area.Then Narayana said come lets have 2 puris each,I said that I still have to do puja at my house,then he insisted and said nothing will happen..come,lets eat and we started to eat the puris.

Swapna Anubhav Morning dated 16-05-2013

At the ramleela parade ground,we all were occupied with the making of the chariot of lord shri Kalki.Tauji (Mamaji)was standing below and guiding us as to how the decoration was to be done.Other members of our group were doing their part of the job.The chariot must be 8 feet high above the ground,I was standing in my vest and shorts on a stool and doing the back stage preparations,suddenly my hammer fell down.I looked around for somebody to pass me the hammer otherwise I would have had to go down and get it.In the meantime,someone(Narayan)bowed down and picked up the hammer and asked me to take it.The same Narayan that I saw on 4th May 2013 in my anubhav appeared again,so I asked that how

come you are here?(Smiling at me)he asked what happened,you are working alone?I said that its not like this,all are busy in their work.And you tell how are you?

Why you think of yourself as alone?(I am there with you)

Even after Kalki devotees leave their bodies,my powers stay on this earth

The he(Narayan)said that I am alright but why do you consider yourself alone?Maybe you are unaware that the forces that are sent here from above stay here only.Its just that when the bodies in which they are present perish,then those powers are transferred to other bodies.I asked how?He(Narayan)said that suppose there are 5 people here who take the name of lord Kalki and all of them die on the same day,then who will carry on Kalki ji's name preaching and how will people get to know about him?Who will be able to pass on the message to others?

That's why(he paused for a moment) and then he(Narayan)said that tell me,have you ever inspired anyone for Kalki bhakti and have they listened to you?

You do preaching of my avatar in this world,rest of the work my powers will do

I went into deep thought and then he (Narayan)asked me that you must have given satsang to many people on Kalki ji but have they all agreed to you?

Before I could think and say something,he said that you are doing the work of satsang and preaching,that is your work but somebody(pointing above)has the work of giving power to these people.The person who takes your satsang with full devotion gets the powers.Just think that you have given so many people inspiration,preaching and satsang of Kalki name but do you see all of them involved in Kalki ji's work?Any place where there is Kalki ji's preaching,satsang,bhajan,kirtan,not everyone but some people must be coming into notice.

After saying this he paused for sometime,then I remembered that when I was going to Kolkata,I met a family to whom I gave knowledge about Kalki ji and the head of the family Amarnath Shah said that he had heard Kalki ji's name but mostly they do puja and darshan of Kali Ma in their family.As time passed by slowly and steadily,Amarnath Shah ji showed his interest in Kalki ji and today he is deeply involved in Kalki ji's work in Kolkata with full faith and confidence.

Now there will be no dearth of people working for kalki ji

I was just able to think on this matter that he(Narayan)spoke up that now there will be no scarcity of people working for Kalki ji because when they will leave their bodies,the powers will be transferred to other bodies.

Kalki ji gives Longevity,prosperity and wealth

He(Narayan)said one more thing that these powers have their own time irrespective of whether the person dies or not.These powers are sent to the bodies only for a certain time period.Rest depends on time along with human beings' actions and deeds.If a human being does good,then the time of the powers goes on increasing and this is possible only when he does good deeds.In lieu of those good deeds,the powers are increased and his soul stays in this perishable body for more time than he is destined to and the powers also stay in him for a longer time.

Try to understand the game of powers,Goa would not have been under India

If you don't believe then look around you and see which family used to be devoted in Kalki ji's name and preaching but since some years,months or days their interest has reduced or their faith has reduced to the extent that they are not able to give much time to Kalki's name and preaching. This is because the power that they had,its time got over and if that family or person did not get alert timely,then he will only be linked to Kalki ji's name but not his work.This will be the only fruit of his devotion that he will only be called Kalki walla.

<u>If possible,don't drink water with a bottle but with a glass or your palm</u>

After saying this when he asked me for water,I gave a jug of water to him.He(Narayan)put his right hand's palm to his mouth and just pointed,I started pouring water on his palm.Water was going from his palm to his mouth.

If possible,do keep a handkerchief in your pocket

After drinking water ,he took out a handkerchief from his kurta's pocket and smilingly said..that You are very fortunate that through the chariot you have got the opportunity to do god's divine work.

When kalki ji's forms gave you a special rank

Then I asked what is so unique about this?I didn't understand,then he told me that in many places,Kalki ji's procession is taken out.But God's make up and beauty depends on you,that which person has to give beauty to God's form.Till now in all the processions,God's form has been given beauty by you only.What more unique task can you do?Then he started moving backwards and one of the persons preparing the chariot called me and asked when the flower guy would come?I said he will come,there is still time.On the other hand,I saw him(Narayan) meditating.

After this anubhav I shook and got up,I could remember that face full of light but when I opened my eyes,I tried to see that enlightened face but couldn't.

In the anubhav dated 04-05-2013,I saw him(Narayan)in a pant shirt but this time he was in a kurta pyjama.Another thing I noticed was that till now I have smelt many fragrances but in the anubhav dated 16-05-2013,I experienced a beautiful fragrance when he (Narayan)came close to me while talking.

According to the book,Swapna Anubhav,Ek Sampada,Maanu main na maanu article on pg. 5,we have addressed Kalki bhagvan as Narayan.

कुछ तो लोग कहेंगे......

क्या हो हमारी प्रतिक्रिया ?

—डॉ. वेद प्रकाश गुप्त

मई मास 2013 की मासिक पत्रिका में यह लाईन बहन रश्मि गुप्त की दिल छूने वाली लगी। इस पर हमारी प्रतिक्रिया क्या हो सकती है उस पर मैं अपने निम्न विचार रख रहा हूँ:-

1. जो भी व्यक्ति आपको अपशब्द कह रहा है या बेकार की बहस कर रहा है वो मानसिक रूप से ग्रस्त है या अपनी और परेशानियों से घिरा हुआ है। यह आपके ऊपर है कि उसकी परेशानियों को आप ग्रहण करें या ना करें। यदि आप ग्रहण करते हैं तो उसी की भाषा में आपको बात करनी पड़ेगी तो आप में और उसमें कोई फर्क नहीं रह जायेगा। अगर आप उसको नहीं लेते हैं तो आपके दिमाग की शांति व संतुलन दोनो बने रहेंगे।

2. एक कहावत है ''आप मारते का हाथ पकड़ सकते हैं पर बोलते की जबान नहीं'' यह बिल्कुल सच है। हम उसकी जबान में ताला तो नहीं लगा सकते पर अपने कान अवश्य बंद रख सकते हैं। इससे साथियों व्यर्थ की चीजें हमारे दिमाग में नहीं आएंगी।

श्री रामेश्वर दास जी के शब्दों में कोई पागल खड़ा है और पत्थर मार रहा है तब आप क्या करेंगे...उसका सामना करेंगे अथवा हंसकर अपना रास्ता बदल लोगे ?

यह अवतार का मामला है भावुकता में कल्कि समाज को धर्म संकट में न डालें

—पं. लक्ष्मीनारायण

गुरुवर लक्ष्मीनारायण जी ने सत्संग में कहा कि भावुकता में लकीर के फकीर न बनना यह अवतार का मामला है। अपने ध्येय (भगवान श्री कल्कि के प्राकट्य के प्रचार) पर निगाह रखना। हममें न बल, न शक्ति, न आयु, न रूपया, न सेहत है जिसमें प्रतिदिन के कार्य, व्यापार, नौकरी सबको संभालते हुए कलियुग के युगावतार भगवान श्री कल्कि के कार्य करना बड़ी टेढ़ी खीर है। ऐसे में किसी को धर्म संकट में मत रखना। इस बात को ध्यान में रखते हुए 10 जुलाई 2013 बुधवार को ग्रीन पार्क, दिल्ली में एवं 17 जुलाई 2013 को अग्रोहा धाम (हमारी अग्रवालों की पैतृक भूमि पर) भगवान श्री कल्कि की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। उसके उपलक्ष्य में हम अपने सभी कल्कि समाज के साथ आनंदमयी महोत्सव मनाने 14 जुलाई 2013 रविवार को ग्रीन पार्क एवं 21 जुलाई 2013 को अग्रोहा धाम में सभी भक्त मिलकर भगवान श्री कल्कि की नूतन झांकी के दर्शन करके वहीं सत्संग, संकीर्तन श्री कल्कि जी की चौकी के उपरांत भगवान श्री कल्कि की मुक्तिदायिनी आरती करके भगवान का भंडारा प्रसाद ग्रहण करेंगे।

शक्तियों का खेल समझो– गोआ स्वतंत्र भारत का ना होकर कश्मीर की तरह नासूर बना होता

—संकलनकर्ता : मेघना गोयल अनुवाद—डॉ. वेद प्रकाश गुप्त

(जून 2013 अंक में आपने लेख कल्कि जी की चाहत आपके जीवन पर्यन्त राजा रानी बने रहने की वर्ना कल्कि जी के सैनिक तो बने रहना के अन्तर्गत आपने पढ़ा होगा शक्तियों का खेल समझो गोआ भारत का न होता यदि यकीन न हो तो अपने आस-पास देखो कि ऐसा कौन सा परिवार या व्यक्ति है जो पहले तो भगवान श्री कल्कि के प्रचार कार्यों को पूरी तन्मयता से करता था लेकिन अब हाल ही के कुछ समय साल महीने या दिनों में उसकी रुचि या यूं कहें कि उसका रुझान विश्वास कम हो गया है और कल्कि प्रचार और कार्यों को कम समय दे पा रहा है। क्योंकि ऐसा इसलिए है कि उसके पास जो शक्ति है उसका समय पूरा हो गया है यदि वह परिवार या व्यक्ति समय रहते ना चेता तो वह सिर्फ कल्कि नाम से जुड़ा होगा किसी भी पुकार के कार्यों से नहीं। ये ही उसकी अब तक की भक्ति का मीठा फल होगा कि वह सिर्फ कल्कि वाला कहलाएगा।)*

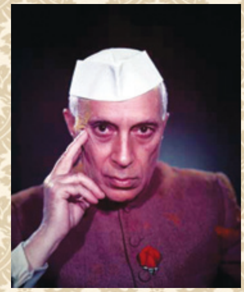

■ गोआ पर पुर्तगीस ने 451 वर्ष राज किया। 18-19 दिसम्बर 1961 में भारतवर्ष की सोची समझी राजनीति से सेना के ''ऑपरेशन विजय'' (उस कार्य का नाम) ने छत्तीस घंटों में ही गोआ पर विजय पा ली। इस सारे कार्य में 22 भारतीय व 30 पुर्तगीस वीरगति को प्राप्त हुए।

■ इस का विश्व में मिलाजुला विचार सामने आया पर ज्यादातर इसमें भारतवर्ष के पक्ष को सराहना मिली।

इस सबके पीछे भारत के राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, भारत के प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू, थल सेना अध्यक्ष मेजर जनरल श्री के.पी. केन डेथ, वायु सेना अध्यक्ष ऐयर मार्शल एलर्कि पिंटो व भरतीय विदेश मंत्री श्री वी. के. कृष्ण मेनन की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।

■ इसके पीछे 1938 से ही श्री राजेन्द्र प्रसाद, जवाहर लाल नेहरू व श्री सुभाष चन्द्र बोस जी से श्री डी. कुयनहा एक गोआ के फ्रेंच पढ़े हुए इंजीनियर मिले जो 1928 से गोआ को आज़ाद कराने में लगे हुए थे। उन्होंने मुम्बई में गोआ कांग्रेस कमीटी की शाखा खोली। 1946 जून में डॉ० राम मनोहर लोहिया (सोशलिस्ट लीडर) भी गोआ गए व जून से नवम्बर तक प्रदर्शन करे जो शांतिपूर्ण थे।

■ भारत को इस अभियान में बहुतो के भला बुरा कहने के अलावा कुछ देशों के विचार इस प्रकार थे:-

■ **सोवियत यूनियन (रूस)**- भारत ने गोआ की अज़ादी के लिये बहुत अच्छा कार्य किया है और हम भारत के मित्र हैं।

■ **पाकिस्तान ने अमरीका के राष्ट्रपति को 2 जनवरी 1962 को लिखा भारत हम को भी गोआ की तरह कमज़ोर समझकर हम पर भी आक्रमण कर सकता है।**

■ नेहरू जी, श्री कृष्ण मेनन जी ने समय-समय पर अपनी राजनीति से गोआ छुड़वाने में मदद की।

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति श्री जॉन एफ कनेडी ने 1962 में इससे नाराज़ होकर भारत की 25 प्रतिशत सहायता कम कर दी थी।

■ **चीन**- मिले जुल विचार थे पर इस **एक महीने बाद ही सिनो इंडिया युद्ध शुरु हो गया था।**

■ **अफ्रीका- हम भारत के अभियान का उन राक्षसों (बूचर्स) से बचाने का आदर करते हैं।**

■ **घाना**- गोआ की तरह अंगोला भी पुर्तगीस से हो सकता है कुछ अर्से बाद छूट जाए।

कल्कि कल्प-वृक्ष

मेरा काम बच्चों का हाथ नारायण श्री कल्कि के हाथ में देना है। मुझे उन्हें वास्को डिगामा की तरह कल्कि जी का सुदृढ़ सैनिक बनाना है। मुझे बच्चों के जीवन के शुरू के सिर्फ 6 वर्ष चाहिए। उसमें से भी सिर्फ प्रत्येक महीने के एक दिन के 6-7 घंटे, जिसमें उन्हें खेल-खेल में सनातन धर्म (कर्म प्रधान धर्म का ज्ञान, माता-पिता, बड़ों का सम्मान व भगवान की नवधा भक्ति) के संस्कार दिए जाते हैं। फिर बाकी के वर्षों की मुझे फिक्र नहीं।

मुझे बच्चों के हृदय की प्लेटों पर अच्छे संस्कार अंकित करने (लिखने) हैं ताकि उम्र के हिसाब से आने वाले वर्षों में कलियुग की भीषण आंधी से इस संघर्षमयी जीवन से टक्कर लेते हुए सुखी भाव से आगे ही आगे बढ़ते चले जाएं किसी भी कठिन परिस्थिति में टूटे नहीं। मुझे विवेकानंद की तरह ज्ञानी, झांसी की रानी, शिवाजी, राणा प्रताप व तांत्या टोपे आदि जैसे कल्कि जी के अर्जुन बनाने हैं साधु या संन्यासी नहीं। समाज के अभिन्न अंग बनाने हैं विद्रोही नहीं।

—मामाजी

देश गुलाम क्यों बनता है?

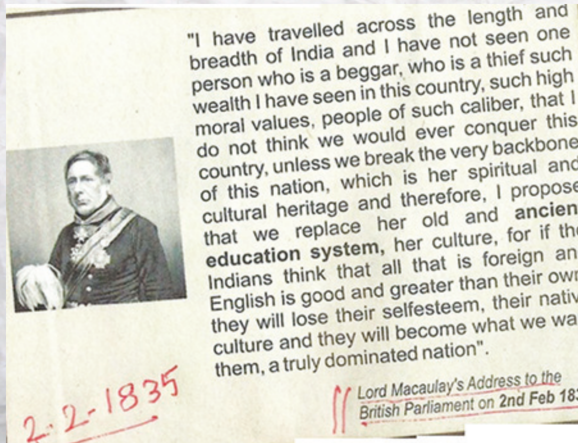
"I have travelled across the length and breadth of India and I have not seen one person who is a beggar, who is a thief such wealth I have seen in this country, such high moral values, people of such caliber, that I do not think we would ever conquer this country, unless we break the very backbone of this nation, which is her spiritual and cultural heritage and therefore, I propose that we replace her old and ancient education system, her culture, for if the Indians think that all that is foreign and English is good and greater than their own they will lose their selfesteem, their native culture and they will become what we want them, a truly dominated nation".

Lord Macaulay's Address to the British Parliament on 2nd Feb 183

2-2-1835

गूगल से ली गई प्रतिलिपि
जिसमें लॉर्ड मैकाले की स्टेटमेंट छपी है

मैं भारत में काफी घूमा हूँ। दाएं, बाएं, इधर-उधर मैंने यह देश छान मारा और यहाँ मुझे एक भी भिखारी, एक भी चोर देखने को नहीं मिला।

यह देश इतना समृद्ध है और इसके नैतिक मूल्य इतने उच्च हैं और यहाँ के लोग इतनी सक्षमता और योग्यता लिए हुए हैं कि हम यह देश कभी जीत सकते हैं यह मुझे नहीं लगा।

इस देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा इस देश की रीढ़ है और हमें यदि यह देश जीतना है तो इसे तोड़ना ही पड़ेगा। उसके लिए इस देश की प्रार्थना, शिक्षा पद्धति और संस्कृति बदलनी ही पड़ेगी। भारतीय लोग यदि यह मानने लगें कि विदेशी (विशेषत: अंग्रेजों) जो हैं श्रेष्ठ हैं अपनी स्वयं की संस्कृति से भी ऊंची है तो वे अपना आत्मसम्मान गंवा बैठेंगे और फिर वे वही बनेंगे जो हम चाहते हैं—एक गुलाम देश

2 फरवरी 1835 को ब्रिटेन की पार्लियामेंट में दिए गए लार्ड मैकाले के भाषण के कुछ अंश आभार : भारत स्वाभिमान ट्रस्ट फेस बुक

भविष्य-दर्शन अन्तर्जगत में स्वप्नानुभव एक सम्पदा के दूसरे संस्करण का नामकरण

प्यारे बच्चों और साथियों कितने भाग्यशाली हो कि श्री हनुमान जी-ठाकुर स्वामी रामकृष्ण परमहंस-श्री कल्कि जी आपको लोक परलोक से समय समय पर अवगत करवाते रहते हैं। 5 जनवरी 2013 को **स्वप्नानुभव एक सम्पदा** ग्रंथ का विमोचन हुआ। सुश्री मेघना गोयल (9136377829) को 8 जनवरी को एक स्वप्नानुभव में भगवान ने बताया कि स्वप्नानुभव एक सम्पदा स्वप्न-अर्थ-उपचार-प्रार्थना सहित वाली दूसरे ग्रंथ का नाम **भविष्य दर्शन** होगा। पूर्ण विवरण जनवरी 2013 के मासिक पत्रिका के अंक में पढ़ सकते हैं। प्रस्तुत हैं **भविष्य दर्शन** में आने वाले कुछ स्वप्नानुभव जिन पर मामाजी, सुश्री सुषमा गोयल व अन्य पैनल सदस्य कार्यरत हैं—

*** दुकान का ताला खुलकर बंद * गुलाब का फूल * नजर में तीन बत्ती * सिर्फ मेरी जमानत * 21 वर्षीय लड़के की शादी मर्द के साथ * तू नहीं और सही तो मैं क्यों नहीं * मरकर भी भाषण * तुझे ही नहीं-तेरे दोस्त-रिश्तेदार को भी बचाऊंगा * मैट्रो ने पीपल की जड़ें काटी * माँ ने कहा इसे दुकान की चाबी मत देना * स्वर्गीय पिता ने स्वर्गीय माँ द्वारा रूका रुपया दिलवाया * एक नहीं दोनों अमानतें जाएंगी * मामाजी की कितनी मौतें * धनाढय परिवार में कल्कि का काम करने वालों को न बचा पाए * बड़ों के आगे थोड़े शब्द बोलकर निकल जाओ * दीपक जलाकर अंतर्जगत का मैसेज वापिस * क्षणिक अनुभव— * लेबर यूनियन * झूला झूलते हुए हाई कोर्ट में अपील स्वीकार * कल्कि जी की शक्ति का बल पूरे विश्व में फैले * पूरा विश्व जागेगा जागेगा * अणु अब परमाणु बन चुके हैं।**

नोट—जो भी कल्कि भक्त अपने स्वप्नानुभव जो उनके साथ घटित हुए हैं हमें लिख कर भेजें। इनके छपने पर कल्कि समाज को मदद और दृष्टा को सुख वैभवता मिलती है ऐसा हमने पाया है। वह बात अलग है ***मानूं मैं न मानूं***

प्रतिदिन रहने वाली कब्ज/ बवासीर की परेशानी
से बचने के लिए नेचुरोपैथी की सरल देन —अगले अंक में पढ़ें

स्वयं उपयोग की अनिमा किट

आवेंगे सही प्रगटेंगे सही कल्कि भगवानखड्गधारी

1961 से मैंने रामकृष्ण परमहंस के आवेशावतार गुरुवर लक्ष्मीनारायण जी, हनुमान जी के आवेशावतार गुरुवर बालमुकुन्द जी, दुर्गा जी एवं कल्कि जी के दृश्य, अदृश्य के सानिन्ध्य में प्रतिदिन दो घंटे माला, पूजा, धार्मिक शास्त्रों का पाठ व हवन से प्राप्त विभिन्न स्वप्न, जागृत, वाणी अनुभव व असंभव को संभव करने वाली अलौकिक अनुभूतियाँ प्राप्त कीं 1988 से इन चमत्कारी श्री कल्कि जी के अप्रतिम प्रभाव को बालक व बालिकाओं (क्योंकि मैंने पाया कि बड़ों को सिर्फ इज्जत व धन चाहिए) में रोपित करने के लिए चला कि कहीं यह (अलौकिक अनूभूतियाँ) मेरे साथ ही **लुप्त न हो जाएं। तब मैं अकेला था, अब मेरे साथ इन सच्चे, कर्मठ साथियों (दृश्य, अदृश्य) का कारवां जुड़ गया है। हम सभी का यही दृढ़ संकल्प है— प्रगट करें मिलजुल कल्कि को, अब ये ही प्रण ठाना**

श्री कल्कि बाल वाटिका, चाँदनी चौक
संरक्षक : श्री ओम प्रकाश गुप्ता 9312533445
संचालक : श्री योगेश गुप्ता 9311033445
भैया : श्री राहुल गोयल, **दीदी :** सुश्री अल्का गोयल

श्री कल्कि बाल वाटिका, करोड़ी मल कॉलेज
संरक्षिका : सुश्री सपना खन्ना 9953989891,
संचालिका : सुश्री पूर्णिमा अग्रवाल 9810135085
भैया : श्री अंकुर गोयल, **दीदी :** सुश्री गरिमा गोयल

श्री कल्कि बाल वाटिका, पटपड़गंज
संरक्षिका : सुश्री पूजा गुप्ता 9811858723,
संचालक : श्री रवि अग्रवाल 9873606251
भैया : कुमार अनिरूद्ध, **दीदी :** कुमारी मनस्वी

श्री कल्कि बाल वाटिका, गगन विहार
संरक्षिका : सुश्री इंदू बंसल 9818416191
संचालिका : सुश्री संगीता रस्तोगी 9911453848
भैया : कुमार शौर्य **दीदी :** कुमारी हिना

श्री कल्कि बाल वाटिका, उस्मानपुर
संरक्षिका : सुश्री मेघना गोयल 9911830603
संचालिका : सुश्री शालिनी पांडे 9582143784
भैया : कुमार उज्जवल पांडे, **दीदी :** कुमारी पूजा

श्री कल्कि बाल वाटिका, घंटाघर
संरक्षिका : सुश्री संजू गड़ौदिया 9312539397
संचालिका : सुश्री इंदू गुप्ता 9891085091
भैया : कुमार श्रेयांस, **दीदी :** कुमारी साक्षी

श्री कल्कि बाल वाटिका, नोएडा
संरक्षिका : सुश्री मुक्ता शर्मा 9811134378
संचालिका : सुश्री प्रतिभा शर्मा 9717417753
भैया : कुमार देव, **दीदी :** कुमारी अंबिका

श्री कल्कि बाल वाटिका, पंजाबी बाग
संरक्षिका : सुश्री मीनाक्षी गुप्ता 9811242748
संचालिका : सुश्री नलिनी गुप्ता 9818647564
भैया : कुमार तनिष्क, कुमार सार्थक, कुमार शुभ

मासिक पत्रिका कम्पोजिंग, सम्पादन प्रभारी : श्री राजेश गुप्ता-9811658415, सुश्री पूजा गुप्ता-9811858723, सुश्री मेघना गोयल-9968066625, सुश्री श्रुति सर्राफ-9830157545, सुश्री उपासना गोयल-7503215553

साहित्य सलाहकार समीति : श्री ओ.पी. गुप्ता-9212533445, सुश्री अलका गोयल-9811281271, सुश्री मेघना गोयल, सुश्री इंदु बंसल-9818416191, सुश्री रश्मि गुप्ता-9873345859, सुश्री संगीता गर्ग-9873349478, सुश्री रश्मि गनेरीवाल 9831273015, श्री हेमंत गुप्ता 9321128789, श्री वेद प्रकाश गुप्ता 9810000012, श्री महावीर चौधरी 09830334529

भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना : श्री अनिल गड़ोदिया 9810025302, श्री योगेश गुप्ता-9311033445, श्री विपुल गुप्ता

सांस्कृतिक कार्यक्रम (नृत्य, कीर्तन व नाटक लीला) : श्री अंकुर गोयल-9818522778, सुश्री गरिमा गोयल 9999133046, सुश्री शलभ गोयल 9910066506

श्री कल्कि कीर्तन एवं व्यवस्था : श्री पदम गोयल 9910291711, कुमार अक्षय गड़ोदिया 9958161610, चंद्र मोहन राजपूत 9873434237, कुमार महावीर

तीर्थों पर आने-जाने की व्यवस्था : श्री नवीन गुप्ता 9971193344, श्री मनोज पाण्डे 9212703815

मूर्ति, शृंगार, पोशाक व लाईट व्यवस्था : श्री हर्षित गुप्ता 9999885277, अंकित गड़ोदिया 9812539397

श्री कल्कि साहित्य व्यवस्था : पं. अनिल कौशिक 9873091036, श्री लव जेटली 9899095693

वेबसाईट प्रभारी : सुश्री श्रेया चौधरी, श्री विष्णु गोयल 7503215553

श्री कल्कि हवन व्यवस्था : सुश्री अलका गोयल 9811281271, श्री रमेश चंद्र

श्री कल्कि मंदिर अखण्ड ज्योत एवं रख रखाव : श्री राहुल अग्रवाल 9891879718, श्री अनिरुद्ध गुप्ता 9873523985, श्री रोहित गुप्ता 9899499848

प्रसादम् व्यवस्था (अब अन्य मंदिरों में भी) : सुश्री वीना गर्ग 9899774568, श्री अमित गर्ग, श्री प्रेम शर्मा 9953048408

रामलीला सवारी व्यवस्था : श्री हितेश गुप्ता 9891248888, श्री आदर्श सिंघल, 9818525601

कानूनी सलाहकार : श्री अमित तिवारी 9310810888 (एडवोकेट दिल्ली हाई कोर्ट)

मानेसर मंदिर निर्माण : श्री सुभाष गुप्ता 9810300045, श्री राजीव गुप्ता 9818000012, सुश्री रेनू बंसल 981000012

मंत्र बॉक्स प्रभारी : श्री आनंद अग्रवाल 9891748188, श्री संतोष वैद्य

गौ सेवा भोजन प्रभारी : सुश्री पूर्णिमा गुप्ता 9810135805, श्री अजय गुप्ता

भक्ति की दो बहिना : सुश्री संजू गड़ोदिया 9312539397, सुश्री रमा गड़ोदिया 9313040701

इंग्लिश हिंदी दुभाषिया : कुमारी साक्षी गड़ोदिया 9868250570

प्रिंटिंग डिजाइनिंग पेपर सलाहकार : श्री अशोक सिंघल, श्री आदर्श सिंघल

ग्यारहवें महीने में देखें कल्कि म्यूजियम की अदभुत छवि

1. भारत भूमि पर जन्म सौभाग्य की गाथा गाता है।
2. भारत भूमि श्री हरि नारायण की भूमि है।
3. भगवान विष्णु के दशावतार
4. अभी कल्कि क्यों?
5. कलियुग के चौथे चरण के लक्षण
6. कल्कि जी ने अवतार क्यों लिया?
7. हनुमान जी/ रामकृष्ण परमहंस हमारे गुरु क्यों?
8. प्राचीन भारत और आधुनिक भारत में अंतर
9. कल्कि जी की पुकार क्यों करें?
10. कल्कि जी की स्वप्नानुभव लीला
11. भगवान श्री कल्कि की पुकार ही सार है
12. कल्कि जी की भक्ति कैसे करें?
13. कल्कि जी का प्रचार कैसे करें?
14. धर्म/ भक्ति / ज्ञान और कल्कि भगवान
15. श्री कल्कि साहित्य

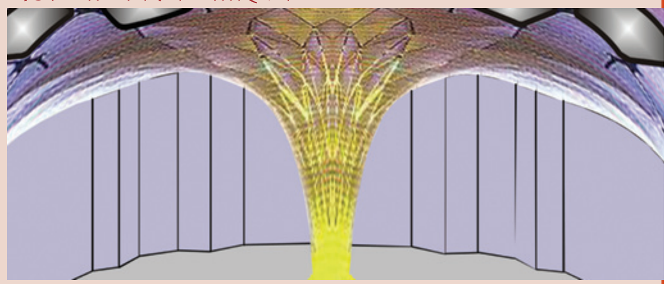

कल्कि संग्रहालय के लिये आर्किटेक्ट श्री राजीव गोयल द्वारा प्रस्तुत की गई एक छवि

भगवान श्री कल्कि का साहित्य

पैन ड्राइव भगवान श्री कल्कि के भजनों से अपलाडिड

भगवान श्री कल्कि के मंत्र बोलने वाला मंत्र बॉक्स

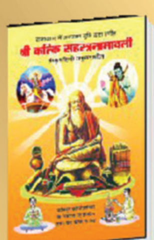

श्री कल्कि लीला, कल्कि महिमा श्री कल्कि जी मेरे दोस्त

श्री कल्कि जी के शुभ/धर्म का डिब्बा

भगवान श्री कल्कि की संगमरमर पाउडर से बनी 7 इंच व अन्य प्रकार की मूर्तियां उपलब्ध

श्री कल्कि बाल वाटिका

चाँदनी चौक ❖ कसेरू वालान, पहाड़गंज ❖ पालनपुर ❖ देहरादून ❖ असरोही ❖ कोलकाता ❖ चेन्नई

1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661

हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079

सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035

कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440

जी 97, नेहरु कालोनी, देहरादून (उत्तरांचल), सम्पर्क : 0135-2671643, 09837343560

2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)

आभार/Ack. : श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स

योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु

Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383

श्री कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—

☎9312533445, 9968066625, 9968314876

वार्षिक सदस्यता शुल्क : 120/- रुपए मात्र

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो

मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्ता, अंकित गड़ौदिया, अक्षय गड़ौदिया-9999885277

Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383